एक नजर में

भानपुरा में यातायात जागरूकता अभियान, 55 वाहन चालकों पर कार्रवाई

भानपुरा। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज भानपुरा में व्यापक यातायात जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान बस स्टैंड क्षेत्र में वाहन चालकों, कंडक्टरों, बस मालिकों, दुकानदारों तथा राहगीरों को यातायात नियमों की जानकारी देकर सुरक्षित आवागमन के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में थाना प्रभारी निरीक्षक आर .सी. डांगी, तहसीलदार विनोद कुमार शर्मा तथा नगर परिषद का अतिक्रमण दस्ता एवं पुलिस बल सक्रिय रूप से शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का उपयोग करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा ओवरलोडिंग से बचने की अपील की। बस स्टैंड क्षेत्र में दुकानदारों, सब्जी व फल विक्रेताओं से भी यातायात बाधित न करने की समझाइश दी गई। उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। यह अभियान पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार दिनांक 08 सितंबर से 22 सितंबर 2025 तक चलाए जा रहे विशेष वाहन चेकिंग अभियान का हिस्सा है। पुलिस अधीक्षक श्री विनोद कुमार मीना, एएसपी श्रीमती हेमलता कुरील तथा एसडीओपी गरोठ विजय यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आर .सी. डांगी के नेतृत्व में नीमथूर चौराहा, झालावाड़ बायपास तथा बस स्टैंड क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 55 वाहन चालकों के खिलाफ चालान करते हुए ?24,800 का जुर्माना वसूला गया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं से बचें तथा सुरक्षित यात्रा को प्राथमिकता दें।

गरोठ में नेशनल लोक अदालत में संपत्ति व जलकर की छह लाख से अधिक की वसूली

गरोठ। नेशनल लोक अदालत में आज नगर परिषद गरोठ द्वारा संपत्ति कर, समेकित कर तथा जलकर की वसूली अभियान चलाया गया, जिसमें छह लाख रुपये से अधिक की राशि वसूल की गई। यह अभियान मुख्य नगर पालिका अधिकारी गिरीश शर्मा एवं नगर परिषद अध्यक्ष राजेश सेठिया के निर्देशानुसार संचालित हुआ। अदालत में उपस्थित कर्मचारियों ने मिलकर बकाया कर की वसूली की। अभियान में प्रकाश चंद ग्वाला, जोगेंद्र पंजाबी, किशोर मालवीय, शिवाजीराव महाडीक, अर्जुन नरवाल, महेंद्र ग्वाला, उमेश भारद्वाज, सर्वज्ञ शर्मा, ललित मिरोलिया, रामप्रसाद व्यास, पायल गुजराती, पूजा रतनावत, रेखा भट, भूपेंद्र सिंह चंद्रावत सहित नगर परिषद गरोठ के अनेक कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे। नगर परिषद ने नागरिकों से समय पर कर भुगतान कर नगर विकास में सहयोग करने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की वसूली से नगर की सुविधाओं के विस्तार और बेहतर प्रबंधन में मदद मिलेगी।

देश में सुख शांति और समृद्धि के लिए डूंगरी माता मंदिर तक ध्वजा यात्रा निकलेगी

मंदसौर। आगामी नव रात्री पर्व को लेकर 14 सितसंबर रविवार को जय अम्बे,

देव डूंगरी माता मंदिर परिक्षेत्र मे भक्त मंण्डल की बैठक हुई, बैठक मे सर्व सहमति से निर्णय लिया गया की देवी माता के भक्तो द्वारा देश मे सुख शांति और समृद्धि के लिए 28 सितंबर रविवार को प्रात: बालागंज अम्बे माता मदिंर से ध्वजा यात्रा वाहनों के माध्यम से निकाली जाऐगी। टूव्हीलर और फार व्हीलर के माध्यम से यात्रा रेवास देवड़ा रोड देव डूंगरी मंदिर पहूँचकर माताराणी को ध्वज चढ़ाया जाऐगा। यह जानकारी देते हुए माताराणी भक्त मंडल के बंशी राठौर, राधेश्याम मारू, जगदीश बैरागी ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ती माध्यम से मे बताया कि देव डूंगरी माता का यह एक प्राचीन मंदिर है, यह मंदिर पहाड़ी पर स्थित है और यहां पहुंचने के लिए भक्तों को लगभग 151 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। रविवार के दिन यहां हजारों की संख्या में भक्तजन दर्शन करने आते हैं। देव डूंगरी माता का मंदिर मंदसौर शहर से लगभग नौ किलोमीटर दूर स्थित है। मंदिर लगभग 500 वर्ष पुराना है और पहाड़ी पर बना हुआ है। आगामी नवरात्री मे देश मे सुख शांति और समृद्धि के लिए 28 सितंबर रविवार को प्रात: बालागंज अम्बे माता मदिंर से ध्वजा यात्रा वाहनों के माध्यम से डूंगरी माता मंदिर तक निकाली जाऐगी, जिसमे संत, महात्मा, धर्मप्रमी समाजिक संगठन, भक्तजन व आमजन शामिल रहेगें।

यातायात नियम का पालन व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ

सीतामऊ/नाहरगढ। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यलाय भोपाल व पुलिस अधिक्षक मंदसौर श्री विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में सीतामऊ में पुलिस प्रशासन की टीम द्वारा लदुना चौराहे पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया। इस दौरान एसडीओपी दिनेश प्रजापति व थाना प्रभारी मोहन मालवीय द्वारा वाहन चालकों व आमजनों को वाहन चलाते समय यातायात के नियमो का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। इसी के साथ पुलिस द्वारा ओवरलोड वाहनों व यात्री बसों की चेकिंग अभियान के तहत की गई।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के नवीन आवेदन लेने की प्रक्रिया पूर्णत : बंद है

मंदसौर। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास बी. एल. विश्नाई द्वारा बताया गया कि मंदसौर जिले मे विगत दिनों से कुछ संगठन, यूनियन एवं अन्य लोगो द्वारा गांव एवं शहरों की माता एवं बहनों से लाड़ली बहना योजना के नवीन आवेदन फार्म भरवाने के नाम पर अवैध वसूली किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है। तथा फार्म भरने के आवेदन तैयार कर उनको भ्रमित किया जा रहा है। वर्तमान में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के नवीन पंजीयन आवेदन लेने की प्रक्रिया पूर्णत : बंद है, इस योजना के तहत नवीन पंजीयन नही हो रहे है। यदि किसी व्यक्ति या बेनाम संगठन या यूनियन द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के संबंध में कोई भ्रामक जानकारी दी जाती है या अवैध वसूली किये जाने का प्रयास किया जाता है,

अव्यवस्था से लगने वाला जाम नगर की परेशानियों की नियति बन चुका

मन्दसौर। नगर के चौराहों, मुख्य बाजारों में प्रतिदिन घण्टों वाहनों में लगने वाला जाम एक प्रकार से नियती बन चुका है जिससे जाम में फंसे अपने नगरवासियों को आवश्यक कामों को पूरा करने में अनपेक्षित विलम्ब और परेशानियों से जूझ रहे नगरवासियों जो पीड़ा कष्ट झेल रहे है उससे राहत पाने यातायात विभाग नगरपालिका लम्बे समय से झेल रहे है। उससे राहत पाने यातायात विभाग नगरपालिका लम्बे समय से प्रयास तो कर रहे है कभी घण्टाघर के पीदे तो कभी सावरकर पुल के नीचे आदि स्थानों को वाहन स्टेण्ड के लिये संरक्षित करने के लिये यातायात विभाग नगरपालिका का स्थान निरीक्षण के प्रयास समाचार तो समय-समय पर मीडिया में आते रहे परन्तु स्थायी हल अभी तक प्रत्यक्ष देखने सुनने में नहीं आया है।

चाहे घण्टाघर हो, भारत माता चौराहा, बड़े बालाजी-बस स्टेण्ड चौराहा, उधमसिंह चौराहा बीपीएल छ:राहा, मुख्य रूप से जामग्रस्त कहे जाते है, जहां से सुबह शाम भयंकर जाम लग जाता है। इसे दूर करने हाल ही में कलेक्टर अदिती गर्ग और पुलिस अधीक्षक विनोद मीणा ने नगर निरीक्षण किया है। आशा है कुछ ठोस समाधान होगा।

पतंजलि योग गुरू एवं सामाजिक कार्यकर्ता बंशीलाल टांक ने इस संबंध में प्रथम बीपीएल छ:राहा पर जो लाईट सिग्नल बंद पड़ा है उसे चालू करवा दिया जाना चाहिये। दूसरा एक और महत्वपूर्ण समाधान बस स्टेण्ड बड़े बालाजी चौराहा पर जो भयंकर जाम लग जाता है इसका एक मात्र कारण भारत माता चौराहा होकर गांधी चौराहा जाने वाले और गांधी चौराहा से घण्टाघर की तरफ आने जाने वाले वाहन एक ही संकड़े मार्ग युवराज क्लब से निकल रहे है इसके लिये पूर्व पुलिस अधीक्षक श्रम.एस. वर्मा ने घण्टाघर से गांधी चौराहा की तरफ जाने वाले समस्त वाहनों के लिये भारत माता -गौशाला से दयामंदिर टॉकीज (पूर्व नाम) रोड़ होकर जाने के लिये और गांधी चौराहा से बस स्टेण्ड बड़े बालाजी चौराहा से घण्टाघर कालिदास मार्ग की तरफ आने वाले वाहनों के लिये दोनों तरफ सख्ती से एकांगी मार्ग निर्धारित कर दिया था और इसके लिये एक स्थाई पुलिस जवान की ड्यूटी भी निश्चित कर दी थी परन्तु उनके जाने के बाद यह व्यवस्था विच्छेद हो गई और इसका दुष्परिणाम आमजन प्रतिदिन भूगत रहे है।

वर्तमान पुलिस अधीक्षक विनोद मीणा से टांक ने शांति समिति की बैठक में अनुरोध किया है कि पूर्व एकांगी व्यवस्था को पुन: लागू कर दी जाये तो कम से कम फिलहाल सबसे ज्यादा व्यस्ततम बड़े बालाजी चौराहा जहां ज्यादा जाम लग जाता है यहां पर तो जाम से राहत मिल जायेगी।

हॉली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल का शैक्षणिक टूर रवाना

पिपलियामण्डी। स्थानीय हॉली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल का पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण दल रविवार को बड़े उत्साह के साथ पिपलिया रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ। विद्यालय प्रबंधन द्वारा आयोजित इस टूर में कक्षा 8 वीं से 12 वीं तक के कुल 46 विद्यार्थी शामिल हैं। विद्यालय की ओर से चार शिक्षक तथा दो अनुभवी गाइड भी बच्चों के साथ यात्रा पर गए हैं, जो पूरे समय विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। इस पांच दिवसीय शैक्षणिक यात्रा के दौरान छात्र-छात्राएँ महाराष्ट्र में मुंबई के समीप स्थित लोनावला सहित विभिन्न पर्यटन एवं शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। विद्यालय प्राचार्य के अनुसार इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर व्यावहारिक अनुभव दिलाना और उन्हें नई संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य एवं ऐतिहासिक धरोहरों से परिचित कराना है। यात्रा के दौरान बच्चों को कई ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भी शामिल किया जाएगा। रवाना होते समय विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह और उमंग साफ झलक रही थी। अभिभावकों ने बच्चों को शुभकामनाओं के साथ विदा किया और सुरक्षित लौटने की कामना की। विद्यालय परिवार का कहना है कि यह भ्रमण बच्चों के लिए अविस्मरणीय अनुभव साबित होगा।

हिन्दी दिवस पर व्याख्यान का आयोजन, अनेकता में एकता को संजोती है हिंदी

पिपलियामण्डी। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय पिपलियामंडी में हिन्दी दिवस के अवसर पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य प्रो. दिनेशचंद्र बोरीवाल ने कहा कि हिन्दी भाषा केवल संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय एकता का आधार भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से हिन्दी भाषा को दैनिक जीवन, शिक्षा तथा तकनीकी क्षेत्र में अपनाने का अनुरोध किया। मुख्य वक्ता हिन्दी विभाग प्रमुख डॉ. चन्द्रकला चौहान ने बताया कि अपभ्रंश से निकली हिंदी ने संस्कृत, अरबी, फारसी से लेकर अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के अनेक शब्दों को भी अपनाया है। आज दुनिया भर में लगभग 61 करोड़ से ज्यादा लोग हिंदी बोलते हैं। उन्होंने छात्रों को हिंदी के इतिहास से परिचित करवाया। आरएल कटारा ने बताया कि विविधता से भरे इस देश में हिंदी ने अपनी उपयोगिता प्रमाणित की है। यह राष्ट्रीय एकता और पहचान का प्रतीक है। विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने के साथ यह समृद्ध साहित्य और परंपराओं को भी संजोती है। कन्हैयालाल लोहार ने कहा कि हिंदी भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। यह मात्र एक भाषा नहीं बल्कि एक भावना, संस्कृति और इतिहास है जो भारत के हृदय की धड़कनों को प्रतिध्वनित करता है। हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत के हृदय का स्पंदन है। सचिन कारपेंटर ने हिंदी भाषा के महत्व को बताते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने भारत में हिंदी को जनमानस की भाषा बताया था। भारत में हिंदी जन-जन के संवाद की भाषा है। गोविन्द तंवर ने बताया कि ऐतिहासिक रूप से हिंदी ने विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ा है। भक्ति काल में कबीर, तुलसीदास और सूरदास ने हिंदी में भक्ति गीत लिखे। रामचरितमानस जैसे ग्रन्थ ने हिंदी को लोकप्रिय बनाया है। गायत्री शर्मा ने कहा कि हिंदी ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब यह केवल हिंदी भाषी क्षेत्रों की भाषा न रहकर गैर-हिंदी क्षेत्रों और विदेशों में भी सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर चुकी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कविता पाठ और निबंध वाचन के माध्यम से हिन्दी साहित्य की गरिमा को भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की ओर से प्राचार्य प्रो. बोरीवाल को हिन्दी साहित्य की पुस्तक भेंट की गई। इस अवसर पर सभी ने हिन्दी भाषा को अधिकाधिक बढ़ावा देने और इसे गौरवशाली बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर निशा जटिया, देवीलाल बामनिया, ममता चौहान, प्रेरणा शर्मा, मनुजेंद्र शर्मा, विजय शर्मा भी उपस्थित थे। संचालन गोविन्द तंवर ने किया। आभार सचिन कारपेंटर ने माना।

सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति भानपुरा की नई कार्यकारिणी घोषित

- हरिश त्रिवेदी बने अध्यक्ष, राजकुमार माली सचिव; भव्य रूप से दशहरा मनाने का निर्णय

भानपुरा। आगामी 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। श्री सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति, भानपुरा की नई कार्यकारिणी सर्वसम्मति से घोषित कर दी गई है। बैठक स्थानीय प्रेम ग्रंथ गार्डन में श्री सनातन धर्म मंडल भानपुरा के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह चौहान तथा समिति के पूर्व अध्यक्ष अनिल राठौर की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में श्री सार्वजनिक रामद्वारा व्यायामशाला के वरिष्ठ पदाधिकारी हरिश त्रिवेदी को अध्यक्ष चुना गया, जबकि राजकुमार माली को सचिव नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त योगेश कुमार गौड़ को कार्यकारी अध्यक्ष, भंवर सिंह चंद्रावत और जितेंद्र भाना को उपाध्यक्ष तथा पवन काला को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सह कोषाध्यक्ष के रूप में दुर्गा शंकर माली, सह-सचिव कपिल सोनी, संगठन मंत्री राजेश सोनी, पंकज राठौर, सरोज मोदी, गोवर्धन माली, सुनील रुद्रवाल, धीरज गुर्जर, गणेश बागड़ी, राजेंद्र उपाध्याय, मानसिंह भाटी, व्यवस्था प्रमुख के रूप में राजेश गुर्जर, रवि पाउन्ढिया, रवि टेलर, विकास पहाड़िया, अंतिम चंदा चोरिया, विजय मालवीय, प्रदीप लोठिया, शुभम सोनी, मीडिया प्रभारी राहुल माली और जयंत जोशी को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके साथ ही लगभग 21 सदस्य भी समिति में शामिल किए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष का दशहरा उत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने मिलकर कार्य योजना बनाई तथा समाज के सहयोग की अपील की।

यूरिया का मूल्य बढ़ाना ही एकमात्र विकल्प : कुमठ

पिपलियामण्डी। देश में यूरिया खाद की लगातार बढ़ती खपत और किल्लत के बीच सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती इसका दुरुपयोग रोकना और किसानों को संतुलित खाद उपयोग की ओर प्रेरित करना है। इस विषय पर फर्टिलाइज़र एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ ने ऑनलाइन कार्यशाला ‘यूरिया किल्लत - क्या समाधान ?’ में महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने साफ कहा कि यूरिया का मूल्य बढ़ाना और सब्सिडी कम करना ही इसका स्थायी समाधान है। कुमठ ने बताया कि पौधों के लिए आवश्यक तीन प्रमुख पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश हैं। इनमें नाइट्रोजन का प्रमुख स्त्रोत यूरिया है। वर्तमान परिदृश्य में यूरिया सभी खादों की तुलना में बेहद सस्ता है। जहां डीएपी 1350 रुपये, एनपीके 1400 से 1800 रुपये, पोटाश 1800 रुपये और सुपर फॉस्फेट 450 रुपये प्रति बोरी मिल रहा है, वहीं यूरिया मात्र 270 रुपये में उपलब्ध है। यही कारण है कि किसान अन्य खादों की जगह यूरिया का अधिक प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका जैसे विकसित देशों में यूरिया का मूल्य लगभग 3000 रुपये प्रति बोरी और चीन में 2100 रुपये प्रति बोरी है। जबकि भारत में यही यूरिया केवल 270 रुपये में किसानों को उपलब्ध कराया जाता है। इसका सबसे बड़ा कारण भारी भरकम सरकारी सब्सिडी है। कुमठ ने जानकारी दी कि किसानों की लागत कम करने के लिए सरकार हर वर्ष लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये खाद पर सब्सिडी देती है। इसमें से 1.60 लाख करोड़ रुपये केवल यूरिया पर खर्च होते हैं। आयातित यूरिया जिसकी वास्तविक लागत 75 से 80 रुपये प्रति किलो आती है, वह किसानों को महज 5 से 6 रुपये किलो में उपलब्ध कराया जा रहा है। इस व्यवस्था का नतीजा यह है कि किसान जरूरत से अधिक यूरिया का उपयोग कर रहे हैं और इसका सीधा असर कृषि भूमि पर पड़ रहा है। कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के अनुसार, यूरिया के असंतुलित उपयोग से देश की लगभग 54 प्रतिशत भूमि बंजर होती जा रही है। फसल उत्पादन में संतुलन बनाए रखने के लिए एनपीके (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश) का अनुपात 4-2-1 होना चाहिए। मगर वर्तमान स्थिति में यह अनुपात बिगड़कर 15-8-1 हो गया है। पौधों द्वारा केवल 30 प्रतिशत नाइट्रोजन ही ग्रहण की जाती है, जबकि शेष वाष्पीकरण होकर वातावरण में उड़ जाती है।

एक नजर विशेषज्ञों ने परमाणु चिकित्सा विज्ञान की नवीनतम प्रगति और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई

न्यूक्लियर मेडिसिन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

मंदसौर/नाहरगढ। मंदसौर यूनिवर्सिटी बी.आर. नाहटा कॉलेज ऑफ फार्मेसी में बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंस के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय टार्गेटेड अल्फा थेरेपी (टी ए टी) एडवांसेस एंड चैलेंजेस इन न्यूक्लियर मेडिसिन रहा। इसमें देश और विदेश से आए विशेषज्ञों ने परमाणु चिकित्सा विज्ञान की नवीनतम प्रगति और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

सम्मेलन में वैज्ञानिकों और चिकित्सकों ने रेडियोन्यूक्लाइड उत्पादन, डोसिमेट्री, टीएटी विनियमन, नैदानिक एवं अनुसंधान अनुप्रयोगों पर अपने अनुभव और शोध कार्य प्रस्तुत किए। साथ ही प्रश्नोत्तर सत्र और पैनल डिस्कशन के माध्यम से शोधकर्ताओं एवं पेशेवरों को नेटवर्किंग का अवसर मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सिगांई (हेड वैज्ञानिक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, एएमपीआरआई), डॉ. करण पिपरी (एमडी, न्यूक्लियर मेडिसिन, पारुल यूनिवर्सिटी, वडोदरा) और डॉ. वी.पी. पाण्डे (कार्यकारी वैज्ञानिक, बी ए आर सी एवं प्रोफेसर, एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा) रहे।

डॉ. सिगांई ने बताया कि सीएसआईआर देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संवर्धन और संसाधनों के उन्नयन में निरंतर योगदान दे रहा है। डॉ. पिपरी ने न्यूक्लियर मेडिसिन को एक विशिष्ट चिकित्सा विशेषज्ञता बताते हुए कहा कि इसमें रेडियोधर्मी पदार्थों के माध्यम से रोगों का निदान और उपचार किया जाता है।

वहीं डॉ. पाण्डे ने परमाणु चिकित्सा को ऐसी प्रौद्योगिकी करार दिया, जो रेडियोधर्मी समस्थानिकों की सहायता से मानव शरीर के आंतरिक अंगों की इमेजिंग संभव बनाती है। इस अवसर पर मंदसौर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति नरेन्द्र नाहटा, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल नाहटा, कुलपति प्रो.(डॉ.) वी.एस.एस. कुमार, कुलसचिव आशिष पारिख, डीन अकादमिक्स अनुरवा दास, प्राचार्य डॉ. रुपेश सोनी सहित अनेक प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

सम्मेलन के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. अनुप कुमार चक्रबोति, समन्वयक डॉ. नवीन कुमार चौधरी एवं डॉ. लक्ष्मीनारायण पाटीदार की भूमिका सराहनीय रही।

कार्यक्रम में डॉ. स्वप्निल गोयल, डॉ. विशाल सोनी, डॉ. प्रियंका सोनी, डॉ. एम.ए. नायडु सहित अनेक शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। मीडिया प्रभारी डॉ. दीपक जैन ने बताया कि यह सम्मेलन न केवल प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि न्यूक्लियर मेडिसिन के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं पर भी नई दृष्टि प्रदान करने वाला रहा।